मंगलसूत्र लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

आरोपी सुनील मीणा को कोर्ट ने भेजा जेल

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 जनवरी. एम्स अस्पताल की लिफ्ट में महिला कर्मचारी से गले से झपटे मंगलसूत्र को पुलिस ने बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. बुधवार को बागसेवनियां थाना पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया.

पुलिस की पकड़ में आए आरोपी की पहचान सुनील मीणा (25) निवासी जिला बारा राजस्थान के रूप में की गई. आरोपी छात्र नर्सिंग का छात्र है. उसने मंडीदीप में रहने वाले अपने एक दोस्त पुष्पराज सोनी के पास चोरी का मंगलसूत्र पहुंचा दिया था. पुलिस ने मामले में सुनील के दोस्त पुष्पराज को भी आरोपी बनाया और मंगलसूत्र बरामद किया. आरोपी सुनील मीणा को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया. पुलिस की पूछताछ में आरोपी सुनील ने बताया कि उसने गर्लफ्रेंड पर खर्चा करने के लिए वारदात को अंजाम दिया. गाड़ी, मोबाइल और मेट्रो सिटी लाइफस्टाइल के शौक के चलते उसने कई दोस्तों से रूपए भी उधार ले रखे थे. उधार के रूपए चुकाने के चलते उसने लूट की वारदात को अंजाम देने के इरादे से योजना बनाई थी. थाना बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक फरियादिया थाने में आकर मामले की शिकायत की थी.

रिश्तेदार ने चुराए 10 लाख के जेवरात

भोपाल. निशातपुरा थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी के पास से 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी बरामद की है.

पीड़ित परिवार जिनके में चोरी की घटना हुई थी, आरोपी उनका ही रिश्तेदार ही निकला. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक फरियादिया संगीता मालवीय (50) निवासी राजनगर फेस 1 ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी. संगीता ने पुलिस को बताया कि 22 जनवरी को घर में रखी अलमारी के लॉकअप में रखे सोने, चांदी के जेवरात और नगदी चोरी की घटना हुई है. पीड़िता ने जब 25 जनवरी को पैसे निकालने के आलमारी खोली तो रखा सभी सामान गायब मिला. मामले की शिकायत के पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चालाया. पुलिस ने आरोपी पुष्कर बाथरे को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने, चांदी के आभूषण के साथ नगदी बरामद की. पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी पीड़ित परिवार का रिश्तेदार भी निकला.

बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर लगी आग

03 फायर स्टेशन से पहुंची दमकलें, पाया काबू

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 जनवरी. भारत माता चौराहे के पास बनी एक बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर बुधवार को आग लग गई. बिल्डिंग से निकलने वाली आग की लपटों से हड़कंप की स्थिति बन गई.

बिल्डिंग में रहने वाले लोग तुरंत ही भाग कर बाहर निकल आए और पूरी बिल्डिंग लोगों से खाली करा दी गई. घटना की सूचना पर तीन फायर स्टेशन से दमकल की गाडियां मौके पर भेजी गई. फायर बिग्रेड की टीम के लगभग 15 कर्मियों ने लगभग दो घंटे तक आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की और आग पर काबू पाया. इस हादसे में किसी भी शख्स के झुलसने की जानकारी सामने नहीं आई है. बिल्डिंग में आग किन कारणों से लगी फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है. बुधवार को देर शाम चौराहे के पास बनीं बहुमंजिला इमारत की चौथे फ्लोर पर आग लग गई. आग जिस फ्लोर के कमरे में लगी वह स्टोर रूम के तौर पर उपयोग किया जाता है, जिसमें सभी घरेलू सामान रखे थे. कमरे में फर्नीचर का सामान ज्यादा होने के चलते आग लगातार बढ़ती गई और विकराल रूप ले ली.

बीयू कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत

भोपाल. बीयू के एक कर्मचारी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. बागसेवनिया थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी. अज्ञात बाइक सवार की पुलिस तलाश कर रही है. बद्रीप्रसाद साकेत (53) जाटखेड़ी मिसरोद में अपने परिवार के साथ रहते थे. बद्रीप्रसाद बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में चतुर्थश्रेणी कर्मचारी के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे. मंगलवार को देर शाम जब वह अपनी साइकिल से ड्यूटी के बाद घर जा रहे रहे थे. बद्री प्रसाद ज्ञान विज्ञान भवन के सामने पहुंचे थे, तभी पीछे से आए बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी थी.

बिजली कंपनी ने बकायादार उपभोक्ता का किया बैंक खाता फ्रीज

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से बकाया राशि वसूल करने के अभियान के तहत बड़े बकायादारों के बैंक खाते फ्रीज करने की कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में शहर वृत्त भोपाल उत्तर शहर संभाग, इंद्र विहार जोन अंतर्गत बड़े विद्युत बिल बकायादार उपभोक्ता आयरा परवेज खान के विरूद्ध बैंक खाता फ्रीज करने की कार्रवाई करने के उपरांत उपभोक्ता द्वारा 2 लाख 24 हजार 904 रूपए बकाया राशि जमा करके अपना खाता सुचारू करवा लिया है.

ननि ने कम्युनिटी हॉल का आधिपत्य लिया वापस

▸ नोटिस जारी करने के बाद भी संबंधित ठेकेदार ने जमा नहीं कराई थी राशि

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 28 जनवरी. नगर निगम के द्वारा किरायेदारी को लेकर सख्त हो गई, जिसके चलते बुधवार को खानूगांव में स्थित रियाज अली काका कम्युनिटी हॉल का आधिपत्य वापस लिया.

इस कम्यूनिटी हॉल का किराया ठेकेदार द्वारा समय पर नहीं दिया जा रहा था. नगर निगम द्वारा वार्षिक किराए पर दिए गए निगम स्वामित्व के रियाज़ अली काका कम्युनिटी हॉल के अनुबंध की शर्तों अनुसार ठेकेदार द्वारा राशि का भुगतान न करने पर निगम के जोन क्र. 05 के अमले ने वार्ड क्र. 08 खानूगांव स्थित रियाज़ अली काका कम्युनिटी हॉल को निगम आधिपत्य में लिया. निगम द्वारा उक्त कम्युनिटी हॉल 3 वर्ष के लिए शोएब कुरैशी को 8 लाख 52 हजार रुपये की वार्षिक दर पर किराये से दिया गया था. 2 वर्षों में इस राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर किराया तय किया गया था. लेकिन ठेकेदार द्वारा दूसरे साल 25 प्रतिशत राशि एवं शेष 75 प्रतिशत राशि जो कि 6 समान किश्तों में जमा करानी थी,वह नहीं की गई. जिसके चलते नगर निगम ने रियाज़ अली काका कम्युनिटी हॉल में ताला डालकर भवन अपने आधिपत्य में लिया.

नगर निगम वसूली लक्ष्य के लिए हुआ सख्त

भोपाल. जैसे-जैसे वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर बढ़ रहा है. वैसे-वैसे नगर निगम के द्वारा बकायादारों पर सख्ती बढ़ती जा रही है. नगर निगम माली हालत सुधारने और कर्मचारियों को समय पर वेतन प्रदाय करने के लिए यह प्रयास कर रहा है, जिसके चलते नगर निगम संपत्ति कुर्क करने की. यह कार्रवाई संपत्तिकर की बकाया राशि 23 लाख 97 हजार 573 रुपये का भुगतान न करने पर की गई जिमसें 8 सम्पत्तियां कुर्क करने की कार्यवाही की. यह कार्रवाई नगर निगम के अलग अलग वार्डों में की गई.

गला दबाने से हुई थी कंचन की मौत

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 जनवरी. छोला मंदिर थाना पुलिस ने मर्ग की जांच करते हुए कंचन साहू की हत्या के आरोपी उसके पति हेमराज साहू पर कार्रवाई की है. कंचन की पीएम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई है.

बता दें कि करीब 10 दिन पहले कंचन साहू (30) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. कंचन टीला जमालपुरा की रहने वाली थी. हेमराज साहू ग्राम खेजड़ा स्थित राधाकृष्णा कॉलोनी रहवासी से उसकी शादी करीब 14 महीने पहले हुई थी. हेमराज फुटकर व्यवसायी है और हाट-बाजारों में दालें बेचने का काम करता था. कंचन और हेमराज दोनों की यह दूसरी शादी बताई गई. दोनों पहले से तलाकशुदा थे. पिछले दिनों जब कंचन अपने मायके गई थी, तब उसने अपनी मां को पति के लगातार गांव चलने की बात भी बताई थी.

कंचन इसके लिए तैयार नहीं थी, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर विवाद की स्थिति बनती थी. इस बीच 19 जनवरी को कंचना को सुबह बेसुधी हालत में पाया गया. अस्पताल पहुंचाने पर डाक्टरों ने कंचन को मृत घोषित कर दिया. मंगलवार को आई पीएम रिपोर्ट में कंचन का गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई. पुलिस ने कंचन के पति हेमराज को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया.

जलाकर मारने की कोशिश करने वाले 3 आरोपियों को भेजा जेल

भोपाल, 28 जनवरी. एमपी नगर थाना पुलिस ने बाजार में दिनदहाड़े युवक को जलाने की कोशिश करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया.

बुधवार को पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने युवक पर पेट्रोल डाल कर उसे जलाने कर मारने की कोशिश की. मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर युवक को बचा लिया. मामले में पुलिस ने जांच करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ा कार्रवाई की है. मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित दिनेश सिंह मंगलवार को अपने दो दोस्तों अजय यादव व अमित डोंगरे के साथ बाइक से जा रहे थे.विशाल मेगा मार्ट के सामने इस मौके पर सभी एक दुकान पर नाश्ता करने लगे. इस दौरान आरोपी नरेंद्र अहिरवार उर्फ भोले, हिमांशु पाटील और अजय राठौर भी वहां पहुंचे और दिनेश के साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी. आरोपियों ने दिनेश और उनके दोस्तों के साथ मारपीट करते हुए बोतल से पेट्रोल निकाला और दिनेश के ऊपर डाल दिया था.

पहल ▸ मध्यप्रदेश पुलिस ने निभाई मानवीय भूमिका

नवजात शिशु को सुरक्षित परिजनों को सौंपा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 28 जनवरी. पिछले चार दिनों में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस द्वारा किए गए कई मानवीय कार्यों ने यह साबित कर दिया है कि पुलिस की भूमिका केवल अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है.

संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय और साहस के साथ की गई कार्रवाई के जरिए पुलिस ने संकट में फंसे, असहाय और कमजोर नागरिकों के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर कई अनमोल जिंदगियां बचाई. दतिया जिले में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस को कड़ाके की ठंड में रोता-बिलखता नवजात शिशु मिला. सख्त कार्रवाई के साथ-साथ पुलिसकर्मियों ने मानवीय दायित्व निभाते हुए बच्चे को दूध, गर्म कपड़े उपलब्ध कराए और परामर्श के बाद सुरक्षित रूप से परिजनों को सौंपा.

देवास जिले के एक ग्रामीण क्षेत्र में मधुमक्खियों के घातक हमले में फंसे बुजुर्ग को पुलिस ने जान जोखिम में डालकर बचाया और अस्पताल पहुंचाया, जिससे उनकी जान बच सकी.

उज्जैन, सीधी और दमोह जिलों में भी पुलिस और डायल-112 टीमों की सतर्कता से आत्महत्या के प्रयासों को रोका गया. इन घटनाओं ने एमपी पुलिस को कानून के रक्षक के साथ-साथ मानवता के संरक्षक के रूप में स्थापित किया है.